

Living the Lotus

10
2022

VOL. 205

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

अभ्यास जो दैनिक जीवन को नियमित करता है

रेवरेन्ट निक्क्यो निवानो

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर प्रोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 205 (October 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjikhorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rishho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

अभ्यास करनेवाले प्रथम सीखते हैं कि प्रतिदिन अपनी बौद्ध वेदियों पर सुबह और शाम का सूत्र पाठ कैसे करें; वे स्मारकोत्सव के दिनों में धर्म केंद्र भी जाते हैं और धर्म मंडलियों में शामिल होते हैं। जैसे-जैसे वे बुद्ध की देशनाओं के अनुसार स्वयं को ढालने का प्रयास करेंगे, उनके जीवन में सब कुछ बौद्ध अभ्यास बन जाएगा। "अभ्यास" का अर्थ है व्यवहार, और हम बुद्ध की देशनाओं के आलोक में, एक-एक करके, अपने दैनिक व्यवहारों को समायोजित करना सीखने के रूप में सामान्य बौद्ध अभ्यास का वर्णन कर सकते हैं।

यह मानने के लिए कि आप केवल बौद्धिक अध्ययन के माध्यम से बौद्ध धर्म को समझ सकते हैं, यह सोचने जैसा है कि आप अपने गोल्फ खेल को बेहतर बनाने के तरीके पर एक किताब पढ़कर गोल्फ को उठा सकते हैं, या यह उम्मीद कर सकते हैं कि आप आसानी से संगीत वाद्ययंत्र बजाना सीख सकेंगे एक पाठ्य पुस्तक पढ़ने से। मैं सोच भी नहीं सकता कि कोई ऐसा सोचेगा, और जब बौद्ध धर्म की बात आती है तो ऐसा ही होता है।

ऐसी बात धर्म की जानकारी सीखने के बारे में नहीं है, बल्कि जीवन जीने के तरीके को अपनाने के बारे में है। जब आप किसी शिक्षा का अध्ययन करते हैं, तो उसे उसी तरह व्यवहार में लाएं जैसे आपको सिखाया गया है, और इसे स्वयं अनुभव करके सीखें। यह तब आसान हो जाता है जब आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जो आपके अभ्यास पर नजर रखता हो। संघ के साथी सदस्यों की उपस्थिति आपके अभ्यास को वास्तविक रूप में चलने में बनने मदद करेगी।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 250-251

"लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

दुःख के कारण को जानना ज्ञान, भाग 1

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ



बुद्ध का बोधिज्ञान प्राप्त करना

“जब मैं खेल रहा होता हूँ
यह बहुत छोटा लगता है।
जब मैं सुबह की सफाई के दौरान
कंकड़ियों को उठाने के लिए तैयार होता हूँ
यह बहुत बड़ा लगता है।”

मैंने अपनी पुस्तक, कल्टीवेटिंग द बुद्धिस्ट हार्ट: हाउ टू फाइंड पीस एंड फुलफिलमेंट इन ए चेंजिंग वर्ल्ड (कोसेइ पब्लिशिंग, 2008) में इस कविता, “द प्लेग्राउंड” को उद्धृत किया। ज्ञान के अर्थ के बारे में सोचते हुए, छह पारमिताओं में से छठी, चौथी कक्षा के प्राथमिक विद्यालय के छात्र द्वारा लिखी गई यह कविता हमें कुछ महत्वपूर्ण सिखाती है जिससे हम सभी सम्बन्धित हो सकते हैं। इसलिए, मैं चाहूँगा कि आप इसे अपने दिमाग में रखें।

बौद्ध ज्ञान की इस तरह की परिभाषाएँ हैं, “अस्थायीता के सिद्धांत में गहन अंतर्दृष्टि” (इवानामी बुक्क्यो जितेन [इवानामी बौद्ध शब्दकोश], इवानामी शोटेन), और “खालीपन जैसे बौद्ध सत्य के अनुरूप चीजों को सही ढंग से देखने और न्याय करने की क्षमता,” और “छह पारमिताओं में से एक, प्रज्ञा” (डेजिरिन, संसीडो) है। संक्षेप में, प्रज्ञा या ज्ञान “अस्थायीता और शून्यता के सत्य को समझने की क्षमता” और “मानसिक कार्यप्रणाली है, जो तर्क और तर्क के आधार पर सही निर्णय लेता है।” उसने कहा, यह प्रतीत होता है कि कठिन शब्द ज्ञान, वह है जिसे हम अक्सर अपने संघ के सदस्यों (विश्वास में मित्र) के साथ बातचीत में उपयोग करते हैं।

मुझे लगता है कि हम सभी जानते हैं कि यह कैसा होता है जब संघ में कोई हमारी कठिनाइयों को सहानुभूतिपूर्वक सुन रहा है, यह कहकर हमें प्रोत्साहन प्रदान करता है, “अभ्यास में मेहनती बनने की कोशिश करें ताकि आप बुद्ध का ज्ञान प्राप्त कर सकें,” या “एक बार जब आप बुद्ध का ज्ञान प्राप्त करो, तुम मुक्त हो जाओगे।” हालाँकि, क्या यह ज्ञान वास्तव में कुछ ऐसा है जो हमें बुद्ध से प्राप्त होता है?

अपनी शक्तियों पर नियंत्रण रखना

तो फिर, बौद्ध धर्म में ज्ञान इतना महत्वपूर्ण क्यों है? बुद्ध के शब्दों के संकलन, सुत्तनिपात से गाथा की निम्नलिखित पंक्तियों को देखते हुए, हम ज्ञान के महत्व की बेहतर समझ प्राप्त कर सकते हैं।

“यदि लोग आशा करते हैं कि उनकी इच्छाएँ पूरी होंगी और उनके लिए चीजें अच्छी होंगी, [जब] उनकी मानवीय इच्छाएँ वास्तव में पूरी हो गई हैं, तो उनका मन खुशी से झूम उठता है।” हालाँकि, “जो लोग अपनी इच्छाओं को पूरा करने की आशा रखते हैं, अगर वे इतने लालची हैं कि वे संतुष्ट नहीं हो सकते हैं, तो वे तीरों से घायल की तरह पीड़ित होते हैं।” दूसरे शब्दों में, “इस संसार में अनेक प्रकार के कष्ट आसक्तियों के कारण होते हैं।” (बुद्धा नो कोटोबा से उद्धृत: सुत्तनिपात, बुद्ध के शब्द सुत्तनिपात, हाजीमे नाकामुरा [इवानामी शोटेन, 1984।])

इसलिए, यदि हमारी इच्छाओं और आसक्तियों बुद्धि से नियंत्रित होती हैं, तो दुःख अपने आप दूर हो जाता है। कृपया चौथी कक्षा की उस कविता को याद करें जो पहले उद्धृत की गई थी। आखिरकार, यह सच है कि हम इंसान अक्सर शिकायत करते हैं कि जब हम खेल रहे होते हैं तो एक ही खेल का मैदान “कितना छोटा लगता है” और “इतना बड़ा” जब हमें इसे कंकड़ से साफ करना होता है, क्योंकि स्वार्थ का मन ऐसा करना चाहता है। प्रसन्नता जो दुःख और चिंता का स्रोत है।

यही कारण है कि शाक्यमुनि ने हमें ज्ञान प्राप्त करने के लिए कई संकेत दिए हैं, जिनका उपयोग हमें अपनी इच्छाओं और आसक्तियों को नियंत्रित करने के लिए कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, वे हमें “आत्मकेंद्रित विचारों को त्यागने और लोक को शून्यता के रूप में देखने” के लिए कहते हैं।

जबकि “शून्यता” एक ऐसा शब्द है जो हमें किसी ऐसी चीज़ का आभास देता है जिसे समझना और भी मुश्किल है, इसका मतलब है कि हमें मूल्य का निर्णय लेना बंद कर देना चाहिए, जैसे कि आत्म-केंद्रित विचारों के आधार पर चीजों को “बड़ा” या “छोटा” के रूप में देखना या जो भी हो हमें सूट करता है। हमें सच्चाई को ईमानदारी से स्वीकार करना चाहिए। अगले अंक में हम शून्यता के बारे में और जानेंगे।

From Kosei, October 2022.

काँमिक्स के माध्यम से रिशो कोसेइ काइ का परिचय

शाक्यमुनि बुद्ध का जीवनकाल और बौद्ध धर्म की देशनाएँ

शाक्यमुनि बुद्ध के दस महान शिष्य—भाग 2

अनिरुद्ध जिसे देवलोकीय नेत्र से जाना जाता था, जिससे उन्हें दिव्य अंतर्दृष्टि, या दूरदर्शिता प्राप्त थी; सभी चीजों का पूर्वाभास करने की क्षमता थी। उपाली ने उपदेशों का अच्छी तरह से पालन किया और प्रथम संगीति के दौरान भिक्षुओं और भिक्षुनियों के विनय का पाठ और समीक्षा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो बुद्ध के परिनिवारण के बाद उनके उपदेशों को संकलित करने के लिए आयोजित की गई थी।

आनंद शाक्यमुनि बुद्ध के प्राथमिक परिचारक थे। वे ऐसे शिष्य थे जिसने शाक्यमुनि बुद्ध के उपदेशों को सबसे अधिक बार सुना था। शाक्यमुनि बुद्ध के पुत्र राहुल सीखने की उनकी उत्सुकता में सबसे आगे थे। उन्होंने बुद्ध के उपदेशों का लगातार अभ्यास किया, लेकिन उन्हें गर्व या प्रशंसा की चाह नहीं थी। महाकाश्यप तपस्या करने के लिए प्रतिष्ठित थे। उन्होंने भोजन, वस्त्र, या आश्रय के बिना किसी लगाव के प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित किया, और इस तरह शाक्यमुनि बुद्ध से एक वस्त्र प्राप्त किया।

देवलोकीय नेत्र से
सम्पन्न अनिरुद्ध



आनंद, शाक्यमुनि
बुद्ध की शिक्षाओं को
सबसे अधिक बार
सुनने के लिए जाने
जाते थे



उपदेश-पालन
उपाली



शाक्यमुनि बुद्ध के
पुत्र राहुल:



महाकाश्यप, खराब
कपड़ों सहित निरंतर
तपस्या में अग्रणी के
रूप में जाने जाते थे

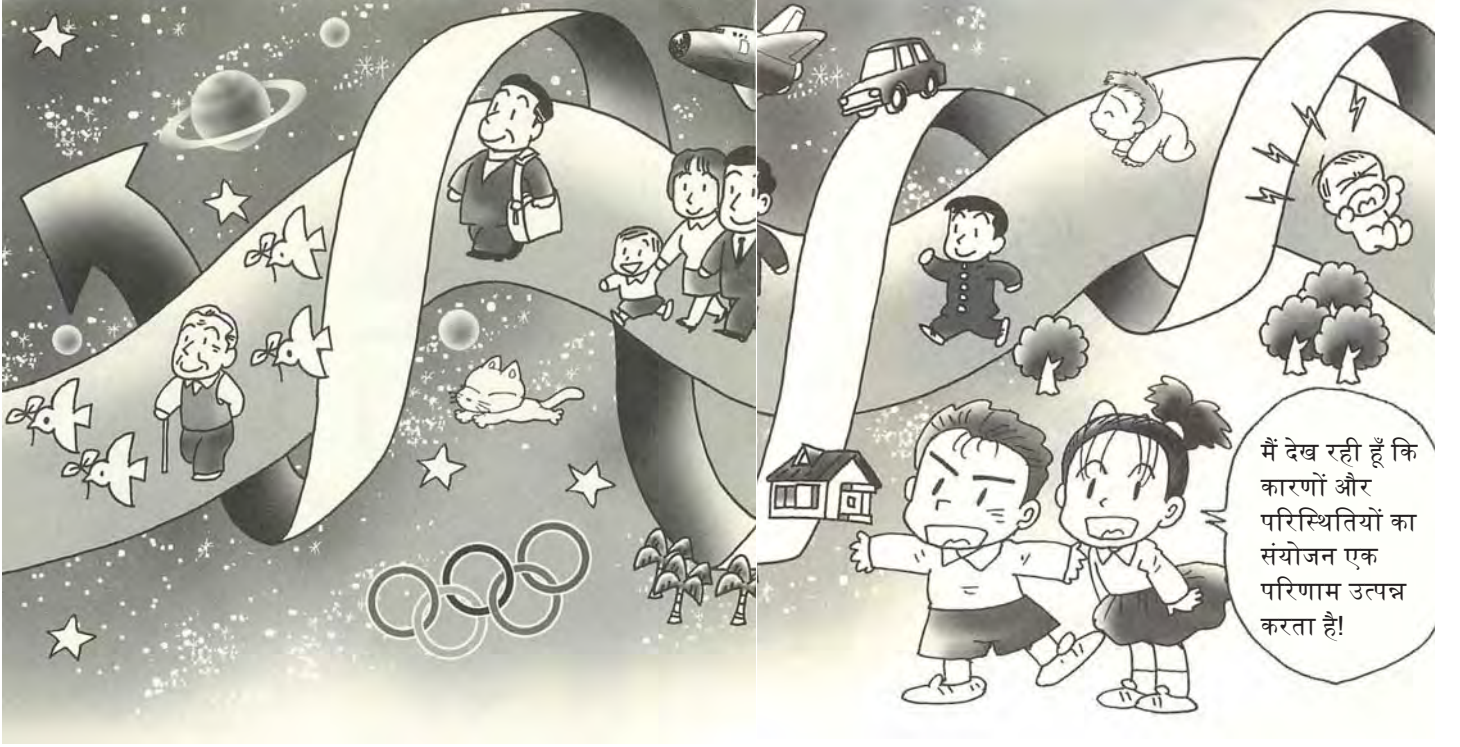


क्या तुम्हें पता है?

देवलोकीय नेत्र पारलौकिक शक्तियों में से एक है: न केवल भौतिक चीजों को देखने की शक्ति, बल्कि अतीत, वर्तमान और भविष्य को भी।



सभी चीजें कार्य-कारण से उत्पन्न होती हैं



शाक्यमुनि बुद्ध ने संसार को त्याग दिया और बीमारी और मृत्यु के बारे में चिंता से छुटकारा पाने का एक तरीका खोजा। अपनी निरंतर खोज के परिणामस्वरूप, उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त किया; दूसरे शब्दों में, उन्होंने कार्य-कारण के सिद्धान्त से उत्पत्ति को महसूस किया, जो बौद्ध धर्म की मुख्य देशनाओं में से एक है।

आश्रित उत्पत्ति कार्य-कारण का सिद्धान्त है, जो सिखाता है कि सब कुछ कारणों और स्थितियों के संयोजन से उत्पन्न होता है। उदाहरण के लिए, एक फूल का बीज कुछ शर्तों के पूरा होने के बाद ही अंकुरित होता है, जैसे पर्याप्त पानी, मिट्टी और धूप। इसके अलावा, क्योंकि कीड़े

फूलों पर जाते हैं और उन्हें परागित करते हैं, फूल फल देते हैं। इसके विपरीत, जब तक अंकुरण के लिए आवश्यक शर्तें पूरी नहीं होती हैं, फूलों के बीज अंकुरित नहीं होते हैं। और अगर फूल परागित नहीं होते हैं, तो वे फल नहीं दे सकते।

आश्रित उत्पत्ति सिखाती है कि उसी तरह, यदि हम चिंता और पीड़ा के कारणों और शर्तों को समाप्त करते हैं, तो वे निश्चित रूप से गायब हो जाएँगे। यदि हम प्रतीत्यसमुत्पाद के इस सिद्धान्त को ठीक से समझ लें और उसमें महारत हासिल कर लें, तो हमारा मन हमेशा शांत रह सकता है।

Director's Column

निश्चित परिप्रेक्ष्य लिए बिना ही चीजों को देखने के लिए प्रोत्साहित होना

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

इस स्तम्भ को पढ़नेवाले पाठकों! आज के व्यस्त समय में व्यस्त रहने वाले लोगों के लिए, हम अपने व्यस्त दैनिक जीवन में व्यस्त रहें और अपने आप को शांत रखें। उम्मीद है कि यह विचार आपके लिए कुछ अच्छा होगा।

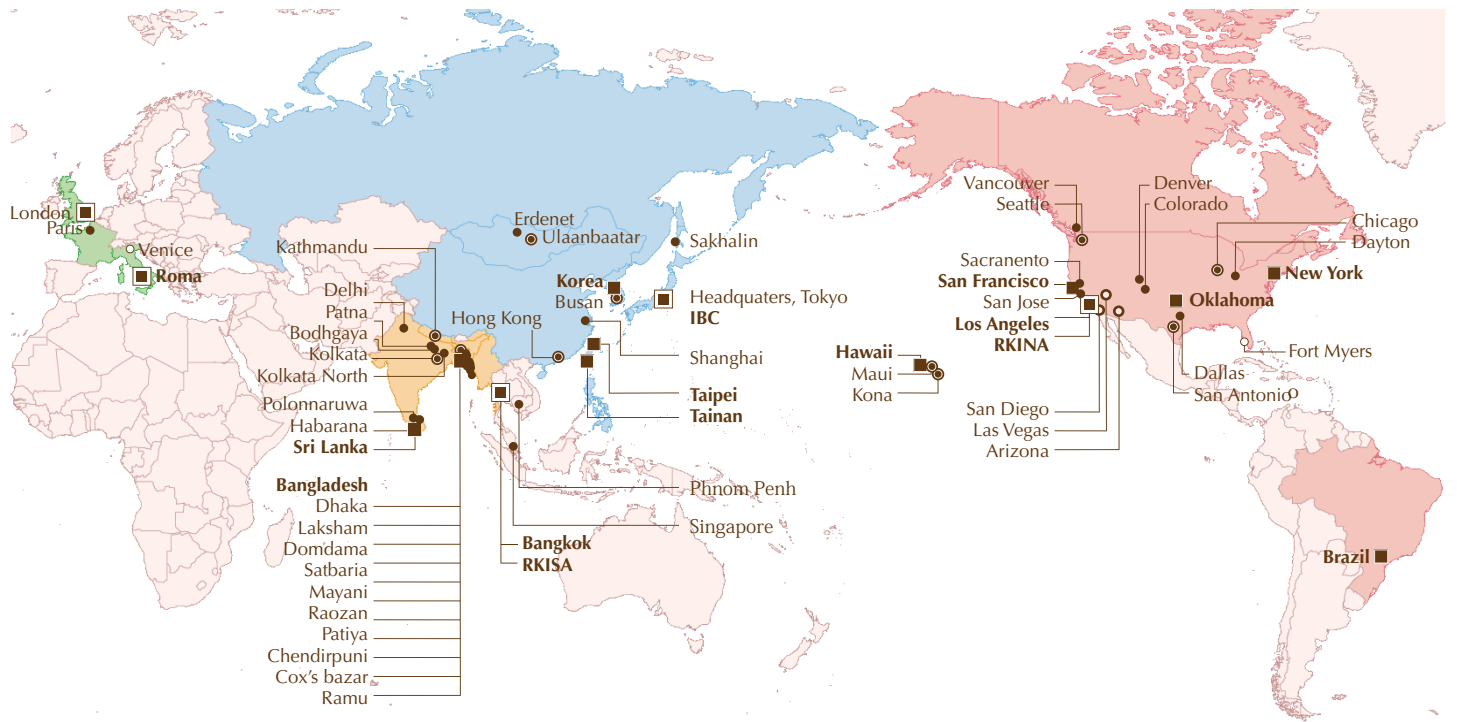
इस महीने हम प्रसिडेण्ट की धर्म वार्ता के माध्यम से छह पारमिताओं में से अंतिम के ज्ञान के सम्बन्ध जानेंगे-। “दुःख के स्रोत को जानना” विषय हमें यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करता है, “दुःख का कारण क्या है?” बौद्ध धर्म में, “पीड़ा” का अर्थ है “मन की वह अवस्था जिसमें चीजें मनोनुकूल नहीं घट रही हैं।” साधारण लोग जो धर्म को नहीं जानते हैं, स्वार्थ या सुविधा के लिए, अपनी इच्छाओं को पूरा करने के प्रयास में अपने स्वार्थी मन को भटकने देता है। हालाँकि, ऐसा करने से अंततः स्वयं के लिए दुःख पैदा होगा, और वे ज्ञान से बहुत दूर की स्थिति में चले जाएँगे।

मुझे याद आता है कि प्रसिडेण्ट ने एक बार कहा था कि पुण्डरीक सूत्र के अनुसार ठीक से देखने का अर्थ है “चीजों को वैसे ही देखना जैसे वे हैं,” “बिना निर्णय के चीजों को देखना,” या “बिना किसी निश्चित दृष्टिकोण के चीजों को देखना।” यह जानते हुए कि दुःख का स्रोत एक आत्म-केंद्रित मन है, जो भटकता रहता है, आइए हम प्रसिडेण्ट के वचनों का पालन करें और “हम में से प्रत्येक में निहित ज्ञान का उपयोग करें।”



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <https://rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rk-la.org URL: <https://www.rk-la.org>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: <https://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: rkchicago@rkchi.org URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

Email: rkftmyersbuddhism@gmail.com URL: <https://rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: dharmacenter@rkok-dharmacenter.org
 URL: <https://rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809, Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <https://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <https://www.buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://rkk.org.br>
 Facebook: <https://www.facebook.com/rishokosseikaidobrasil>
 Instagram: <https://www.instagram.com/rkkbrasil>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei
台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan
台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna

Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North

Bashundhara R/A, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya

Rissho Kosei-kai Ramu

Rissho Kosei-kai Aburkhil

Buddiyskiy khram "Lotos"

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia

(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Roma

Rissho Kosei-kai di Venezia

Rissho Kosei-kai of Paris

Rissho Kosei-kai of the UK

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official
YouTube: https://www.youtube.com/c/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

〒 166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <https://www.ibt-rk.org>